newsjankalyanseva@gmail.com

साप्ताहिक

जनकल्याण सेवा

ठाणे | वर्ष - २३ | अंक - ७ | ४ से १० मार्च २०२४ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

महिलाओं को परमानेंट कमिशन

सुप्रीम कोर्ट ने कोस्टगार्ड मामले में महिलाओं को परमानेंट कमिशन देने का फैसला सुनाया है, जिससे सुरक्षा ढांचे पर पलटी पितृसत्तात्मक सोच पर चोट पहुंची। यह फैसला जेंडर न्यूट्रल पॉलिसी का एक महत्वपूर्ण कदम है। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट ने देश के सुरक्षा ढांचे के अंदर पलती पितृसत्तात्मक सोच पर कडी चोट की है। इस बार मामला कोस्टगार्ड से जुडा है। हालांकि अभी फैसला नहीं आया है, मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को होनी है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के रुख ने इतना तय कर दिया है कि कोस्टगार्ड में महिलाओं को परमानेंट कमिशन देने में अब और टालमटोल नहीं किया जा सकेगा। सशस्त्र बलों का अनुभव : इस संबंध में अचरज की बात यही है कि महिला-पुरुष बराबरी को लेकर देश-दुनिया में चल रहे विमर्श से हमारे सरकारी ढांचे का कोई हिस्सा इस कदर उदासीन कैसे हो सकता है। ध्यान रहे कि सशस्त्र बलों में बराबरी का व्यवहार पाने का महिलाओं का संघर्ष भी इसी दौर में चला। सुप्रीम कोर्ट ने २०२० के फैसले में आर्मी को निर्देश दिया कि महिलाओं को परमानेंट कमिशन देना होगा। अदालत ने इसके खिलाफ दी जाने वाली सारी दलीलों को खारिज कर दिया। मिलती-जुलती दलीलें : बावजूद इसके, कोस्टगार्ड से जुडे इस मामले में भी मिलते-जुलते से तर्क सुनने को मिले। मिसाल के तौर पर, कहा गया कि कोस्टगार्ड की फंक्शनिंग सेना या नौसेना से अलग है। ठीक ही अदालत ने इस तरह की दलीलों के विस्तार में गए बगैर ही उन्हें यह कहते हुए काट दिया कि २०२४ में फंक्शनल डिफरेंस वाले तर्क नहीं चलेंगे। चाहे जो भी डिफरेंस हो और जो भी बाधाएं हों, महिलाओं को परमानेंट कमिशन देना ही होगा। जाहिर है, अब आगे बात इस पर नहीं होगी कि यह देना है या नहीं, मसला सिर्फ यह होगा कि कैसे देना है। जेंडर न्यूट्रल पॉलिसी : सवाल यह भी है कि जब सशस्त्र बलों में यह मामला उठा था, तब भी कहा गया था सरकार को जेंडर न्यूट्रल पॉलिसी बनाने की पहल करनी चाहिए। मगर ऐसा लगता है कि सरकार की ओर से इस दिशा में कोई खास सार्थक प्रयास नहीं हुए। वरना सर्वोच्च अदालत के सामने फंक्शनल डिफिकल्टीज गिनाने की कवायद में लगने के बजाय यह बताया जाता कि उन बाधाओं को दूर करने में कितनी कामयाबी मिली है। शानदार उपलब्धियां : वैसे सुप्रीम कोर्ट ने भी साफ कर दिया है कि यह मामला याचिकाकर्ता तक सीमित नहीं है, लेकिन अगर मिसाल के तौर पर इस खास मामले का जिक्र करें तो भी इंडियन कोस्टगार्ड में पायलट के तौर पर १४ साल के अपने कार्यकाल के दौरान याचिकाकर्ता ने समंदर में ३०० जानें बचाईं। उनके खाते में ४५०० फ्लाइंग आवर्स दर्ज हैं जो सशस्त्र बलों में महिला और पुरुष दोनों श्रेणियों में सबसे ज्यादा है।

मीरा-भायंदर में फर्जी ऑटोरिक्शा की भरमार

पुलिस प्रशासन बेखबर ?

जेकेएस संवाददाता

भाईंदर : मीरा भाईंदर वैसे तो अवैध निर्माण के लिए बदनाम है. साथ ही अनैतिक कार्य का धंधा भी खूब फल फुल रहा है. अब यहां अवैध रुप से चल रहे कुछ ऑटो रिक्शा का मामला भी सामने आया है. रिक्शाचालक बिना लाइसेंस व बैच के बेधडक चल रहे है. ये रिक्शाचालक यातायात पुलिस और पुलिस के आला अधिकारियों की मिलीभगत से चल रहे है. बताया जाता है कि भाईंदर पूर्व में स्टेशन के सामने रात १२ बजे के बाद ज्यादातर ऑटो रिक्शा चालक बिना लाइसेंस और बैच के चलते है इसके साथ ही सभी ऑटोचालक तीन की जगह ५ सवारी तक बैठाते है. इस ऑटो चालकों और सवारियों के बीच कहासुनी भी हो जाती है. बे लगाम रिक्शाचालक कभी कभी मारपीट पर भी उतारु हो जाते है. इसी तरह अवैध रुप ऑटोरिक्शा चालकों का झुंड मॅक्सेस मॉल के स्टैंड पर भी नजर आता है. ये सभी यातायात पुलिस की मिली भगत से बिना लाइसेंस बैच के चलने के साथ ही ४ से ५ सवारी तक बैठाते है. यदि किसी सवारी ने विरोध किया तो मारपीट तक करने पर उतारु हो जाते है. यातायात पुलिस की नजर सिर्फ वसूली पर रहती है. इन्ही पुलिस की मिलीभगत से अवैध रुप से ऑटोरिक्शा चालक चलते है. गोल्डन सर्कल पर तैनात पुलिसवालों की नजर वसुली पर होने के कारण उनके सामने से रोजाना अवैध ऑटोरिक्शा चल रहे है लेकिन कोई करवाई नहीं करते है. इसी तरह काशीमीरा पुलिस क्षेत्र में

फाउंटन व काशिमीरा नाका पर रात में चलनेवाले ज्यादातर ऑटोरिक्शा अवैध रुप से चलाए रहे है लेकिन पुलिस मौन रहती है.

आगामी चुनाव के आचार संहिता से पूर्व हेलीपैड बनाने के लिए ठेकेदार को भेजा

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : भायंदर पश्चिम के एकमात्र नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान में बनाए जा रहे पक्के हेलीपैड का सर्वदलीय नेताओं ने कडा विरोध किया और हेलीपैड के कार्य को रोक दिया. दरअसल, शुक्रवार की सुबह रोजाना की तरह शहर के युवा जब सुभाषचंद्र बोस मैदान में खेलने के लिए गए तो मैदान में जेसीबी से खुदाई कार्य किया जा रहा था. खिलाडियों द्वारा विरोध किए जाने पर हेलीपैड का निर्माण कर रहे ठेकेदार ने इस कार्य का उसके पास आदेश होने की बात बताई गई. भाजपा के पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता ने ठेकेदार को फोन कर तुरंत कार्य बंद करने के लिए कहा. उन्होंने कहा कि यह मैदान मीरा - भायंदर मनपा की संपत्ति है, बिना मनपा के अनुमति के कार्य नहीं करें. विधायक गीता जैन ने भी मैदान पर हेलीपैड बनाए जाने का विरोध करते हुए जिलाधिकारी,

मनपा आयुक्त तथा ठाणे मनपा के सार्वजनिक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता को पत्र प्रेषित कर हेलीपैड के कार्य को शीघ्र बंद करने के लिए कहा. इस संबंध में भाजपा के १४५ विस क्षेत्र प्रमुख एड. रवि व्यास ने जब तहसीलदार से फोन पर पूछा तो उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी के आदेश पर आगामी चुनाव के आचार संहिता से पूर्व हेलीपैड बनाने के लिए ठेकेदार को भेजा गया है. मनपा के सार्वजनिक निर्माण विभाग और स्थानीय पुलिस थाने में इस संदर्भ में पूछने पर उन्होंने भी अनभिज्ञता जाहिर की. बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेश पर कार्यकारी ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस मैदान में हेलीपैड निर्माण का आदेश ठेकेदार को दिया था. हालांकि ठेकेदार के पास इस बात का कोई लिखित कार्यादेश नहीं था. एड. रवि व्यास और पूर्व नगरसेविका रीटा शाह ने मैदान पर जाकर निर्माण कार्य को बंद कराया. एड. व्यास ने कहा कि भायंदर पश्चिम में यह एकमात्र खेल का मैदान है.

आग की चपेट में केक शॉप जली, कोई हानी नहीं

मीरारोड: मुंबई - अहमदाबाद महामार्ग से मीरा - भायंदर शहर में प्रवेश के मुहाने पर काशीमीरा में स्थिति सनराइज होटल के बगल की केक शॉप में शुक्रवार दोपहर १२ बजे के आस पास अचानक आग लग गई. मनपा के अग्निशमन विभाग को इसकी सूचना मिलते ही दमकल कर्मियों ने १५ मिनट के भीतर ही आग पर काबू पा लिया. आग की चपेट में आए पूरा केक शॉप जलकर राख हो गया. अग्निशमन विभाग के मुख्य अधिकारी प्रकाश बोराडे ने बताया की बिजली मीटर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी. इसमें कोई जनहानि नही हुई है.

मीरा भायंदर शहर में कुछ ही दिनों के अंतराल में पहले उत्तन के डंपिंग ग्राउंड, उसके बाद गोल्डन नेस्ट स्थित आजाद नगर और अब केक शॉप में लगी आगजनी की तीसरी घटना से चिंता व्यक्त की जा रही है.

उत्तन परिसर में विदेशी नागरिकों के घूसने से पुलिस की सतर्कता बढी

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : मीरा-भायंदर के उत्तन परिसर में घुसपैठ की महामारी शुरू हो गई है। उत्तन में म्यांमार के ८ संदिग्ध विदेशी नागरिकों के मिलने के बाद शहर की पुलिस चौकन्नह हो गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मीरा-भायंदर, वसई -विरार पुलिस आयुक्तालय की तरफ से २९ फरवरी को एक प्रेसनोट जारी कर रात १२ बजे के बाद धारा १४४ (१),(२) के तहत निषेधाज्ञा आदेश जारी किया गया है, जो २८ अप्रैल २०२४ रात १२ बजे

तक लागू रहने वाला है। उत्तन सागरीय पुलिस स्टेशन की पुलिस को जानकारी मिली कि कुछ संदिग्ध लोग क्षेत्र में घूम रहे हैं। पुलिस टीम तत्काल वहां पहुंची और ८ लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उनसे पूछताछ की गई तो पता चला कि वे सब म्यांमार के रहने वाले हैं, जिनके पास भारतीय होने का कोई डाक्यूमेंट नहीं था। वे यहां कैसे पहुंचे और किसकी मदद से आए हैं, इसकी जांच की जा रही है। उनका कहना है कि वे काम के सिलसिले में यहां आए हैं। यह भी पता चला है कि यहां बांग्लादेश, नेपाल व अन्य जगहों से भी लोग आते हैं। स्थानीय लोगों को हिदायत दी गई है कि ऐसे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को देखें तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

विधानसभा में विपक्षी विधायकों ने जमकर हंगामा किया

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : विधानमंडल के बजट सत्र के आखिरी दिन यानी शिंदे गुट के दो विधायकों के बीच विधानभवन में गैंगवॉर देखने को मिला। कर्जत के विधायक महेंद्र थोरवे राज्य के सार्वजनिक निर्माणकार्य मंत्री दादा भुसे से भिड गए और दोनों में जमकर जूतम पैजार शुरू हुई, जिसे देखकर शिंदे गुट के अन्य विधायकों ने मध्यस्थता करते हुए उन्हें अलग किया। इसका असर विधानमंडल के दोनों सदनों में दिखाई दिया। इस घटना की विपक्ष ने सदन में जमकर आलोचना की और कहा कि बाहर का गैंगवॉर विधानसभा की सीढ़ियों तक पहुंच गया।

इसी तरह विधान परिषद में विपक्ष ने जिद पकड़ ली कि इस राडे के पीछे का कारण स्पष्ट होना ही चाहिए। इसे लेकर विपक्षी विधायकों ने जमकर हंगामा किया। इससे विधान परिषद का कामकाज एक घंटे के लिए स्थगित करना पड़ा। विधानभवन की लॉबी में दादा भुसे और महेंद्र थोरवे के बीच धक्का-मुक्की की खबरें मीडिया में आने के बाद विधानमंडल में बहस छिड़ गई। भूसे और थोरवे एक-दूसरे के साथ हाथापाई पर उतर आए थे। महाराष्ट्र के बजट सत्र में सत्ता दल और विपक्ष में जमकर भिडंत होने की संभावना थी, लेकिन कल सत्र का आखिरी दिन शिंदे गुट के दो विधायकों में हुए राड़े से काफी हंगामेदार हो गया। शिंदे गुट के विधायक ने मंत्री भुसे के साथ हाथा-पाई की। इतना ही नहीं भुसे को घूंसे लगाने वाला ही था कि शिंदे गुट के विधायक भरत गोगावले और मंत्री शंभुराज देसाई ने बीच-बचाव करके मामले को शांत कर दिया। उक्त हंगामे के बाद राजनीतिक गलियारे में यह चर्चा शुरू हो गई है कि शिंदे गुट की सड़ांं बाहर आने लगी है। यानी गुटबाजी खुलकर सामने आ गई है। बता दें कि शिंदे गुट के दोनों विधायकों के बीच हुई कथित हाथा-पाई का मामला सदन के दोनों सदनों में छाया रहा।

शेष पृष्ठ २ पर

लोन दिलाने के नाम ठगी के शिकार

भाईदर : देश में जाल-साजिश, ठगी, अपराधिक मामले आए दिन सामने आते रहते है. ऐसे ही हाल ही में बोरिवाली का एक धोखा-धडी का केस सामने आया है, जहां पर एक लोन दिलाने वाली कंपनी ने वसई की एक कंपनी को लोन दिलाने के नाम पर लाखों रुपए ठग लिए इस पर कपंनी मालिक ने लोन दिलाने वाली कपंनी से वापस जब अपने पैसे मांगे तो कंपनी आलम-टाली करने लगी, काफी विवाद हुआ पर कंपनी को अपना पैसा नहीं मिला, आखिरकार परेशान होकर कंपनी ने अपनी आप-बीती कहानी हमारे जेकेएस संवादाता को बताई- मैं श्री राजू काशीराम हूं, जो फूल पाडा रोड विरार पूर्व में रहता हूं और मेरे कपंनी का नाम SIGNATIZE ELECTRONICS India PVT है। मैं अपने व्यवसाय के लिए एक जगह खरीदना चाहता था इसलिए मैंने दिनांक: जनवरी २०२१ को एक जगह खरीदने का फैसला किया। इसके लिए मुझे एक बडे लोन की आवश्यकता थी इसलिए मैंने बी-३०१, परवाना टॉवर, राम नगर, बस स्टॉप माघे, बोरीवली पश्चिम के श्री कपिलदेव दौलतराय पटेल और श्रीनिवास सत्यनारायण अम्बाती, १७, हवलदार चल, घर से संपर्क किया। ४, कामा रोड, गिल्बर्ट हिल, अंधेरी वेस्ट अचार बनाने वाले एजेंट से मिला और उसने मुझे आश्वासन दिया कि वह पहले से ही लोन हासिल करने पर काम कर रहा है और एक सरकारी बैंक से लगभग अठारह करोड का लोन मिलेगा। मुझे हासिल करने में मदद करें. फरवरी २०२१ को उन्होंने ३ महीने में लोन बांटने का वादा किया. उन्होंने आवश्यक दस्तावेज और कई परमिट लाकर उक्त कार्य करने का बीडा उठाया और मुझसे कहा कि कुल लागत १,२०,००,००० रुपये होगी। इसके लिए मैंने कई जगहों से कर्ज लिया और चुकाया।' मैंने उन्हें कुछ पैसे नकद और कुछ पैसे बैंक हस्तांतरण के माध्यम से भुगतान किए। इसके साथ ही यह जानकारी नीचे संलग्न है. और वे दोनों मुझसे झूठे वादे करते रहे इसलिए मुझे अपने लोन के लिए पहले ही एक और प्रक्रिया से गुजरना पडा। जब उनसे यह पूछा गया तो उन्होंने सबसे पहले निम्नलिखित उत्तर दिए: सायनाइस इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, वे मुझे पैसे लौटाने के लिए तैयार हो गए लेकिन पिछले कई दिनों से वे मेरे पैसे नहीं दे रहे हैं और अब वे मेरा फोन भी नहीं उठा रहे हैं। इसके अलावा, वह अंधेरी में परवाना टॉवर में रहते हैं और अगर हम उनके पास जाते हैं, तो उनके चौकीदार को हमें अंदर नहीं जाने देने के लिए कहा गया है। सर, मैंने इस लोन केस को चुकाने के लिए कई लोगों से भारी ब्याज पर पैसे उधार लिए हैं, इसलिए अब मैं कर्ज में डूब गया हूं। उक्त राशि मेरे लिए बहुत बडी है और मुझे अपने जीवन में एक अपूरणीय क्षति हो रही है। यदि मुझे उक्त रकम नहीं मिली तो मैं आत्महत्या कर लूंगा। साथ ही, अब मुझे विश्वास हो गया है कि इस धोखाधडी की योजना बनाई गई होगी और मेरे खिलाफ साजिश रची गई होगी। क्योंकि मुझे यह जानकारी मिली है कि उन्होंने फर्जी तरीके से अपने पैसे से गांव में मकान बनाया है और कुछ खेत-खलिहान भी खरीदे हैं. हालाँकि, मैं आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि मेरे द्वारा भुगतान की गई राशि उन्हें वापस कर दी जाए और उचित कार्रवाई भी की जाए ताकि भविष्य में उनके द्वारा किसी और को धोखा न दिया जाए।

मिस और मिसेज मिरा भायंदर में कई महिलाओं ने दी शानदार प्रस्तुती

भाईंदर : २५ फरवरी २०२४ को प्रतिष्ठित मिस और मिसेज मीरा भायंदर प्रतियोगिता शुरू होने पर मीरा भायंदर में प्रतिभा, सुंदरता और करिश्मा का एक शानदार उत्सव देखा गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आशीष मेहरोत्रा की मौजूदगी में ग्लैमर, संयम और सितारों से भरी एक शाम का वादा किया गया। अनुपमा के बेटे परितोष मिस एंड मिसेज मीरा भायंदर २०२४ में नजर आए थे. यह कार्यक्रम में १८ टीम प्ले द्वारा प्रस्तुत किया गया था. रिबेल इंडिया प्रोडक्शंस का प्रबंधन राकेश जे शाह द्वारा किया जाता है फैबल द्वारा संबद्ध मिस मीरा भायंदर की विजेता समृद्धि सिंह सेंगर रही, सोनम केवट मिस मीरा-भायंदर की फर्स्ट रनरअप रहीं, मिस मीरा-भायंदर सेकेंड रनरअप दिल ठक्कर रही, श्रीमती मीरा भाईंदर ठाणे भावना चन्द्रशेखर आचरेकर रही, मिस एंड मिसेज मीरा भायंदर फर्स्ट रनरअप इंदरजीत कौर रही, मिस एंड मिसेज मीरा भायंदर सेकेंड रनरअप बिजल शाह रही, मिस एंड मिसेज मीरा - भायंदर २०२४ में १५ शामों में सभी मिसेज और मिसेज ने अद्भुत प्रदर्शन किया। सितारों से सजी अतिथि पंक्ति: मुख्य अतिथि: आशीष मेहरोत्रा, मनोरंजन उद्योग की एक प्रमुख हस्ती आशीष मेहरोत्रा , मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की शोभा बढाने के लिए पूरी तरह तैयार थे। उनकी उपस्थिति ने पहले से ही शानदार शाम में भव्यता की एक अतिरिक्त परत जोड़ दी। मिस एंड मिसेज के पिछले २ सफल सीजन की मेजबानी करने के बाद, उनके लिए प्रतिभा ढूंढना मीरा भायंदर की चुनौती है। यह सकारात्मक आत्मविश्वास पर निर्मित एक मंच था, जिसे आत्मरक्षा के लिए ठोस आधार के साथ कोरियाई कराटे कार्यशालाओं द्वारा प्रशिक्षित किया गया था। वे महिलाएँ प्रतिभाशाली दिखी, मीडिया मनोरंजन उद्योग में प्रवेश करने के लिए उनका सेतु बनेगी।

सम्मानीय अतिथि: अभिनेत्री निकिता जैन, अभिनेता सुल्तान वानी, अभिनेता साहिल एम खान, इन विशिष्ठ अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम में आकर्षण और उत्साह जोड़ दिया, जिससे उत्साह और प्रत्याशा का माहौल बन गया।

ग्रूमिंग पार्टनर और कोरियोग्राफर: स्वाति ठक्कर, सचिन बोरिचा सौंदर्य और कोरियोग्राफी उद्योग के प्रसिद्ध नाम स्वाति ठक्कर और सचिन बोरिचा प्रतियोगियों को सभ्य और आत्मविश्वासी व्यक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

विशेष अतिथी:

सीईओ खुशी शर्मा

संचालन मनोज शर्मा ने किया

चौथी डेन ब्लैक बेल्ट कोरियाई ताइक्वांडो मास्टर वैशाली धूत, खुशी शर्मा, मनोज शर्मा और वैशाली धूत ने कार्यक्रम में व्यावसायिकता और विशेषज्ञता का स्पर्श जोडा और इसकी समग्र सफलता में योगदान दिया।

जूरी सदस्य:

मिसेज इंडिया २०१८ और न्यूमेरोलॉजिस्ट बिजल नाइक सांघवी

टैरो कार्ड रीडर, हीलर और सामाजिक कार्यकर्ता नीलू एस खुश्वाह

प्रतियोगियों का भाग्य सम्मानित जूरी के सक्षम हाथों में है, जिसमें मिसेज इंडिया २०१८, बिजल नाइक सांघवी और बहु-प्रतिभाशाली नीलू एस खुश्वा शामिल हैं।

यह कार्यक्रम न केवल सुंदरता और प्रतिभा का प्रदर्शन करता है बल्कि विविधता, प्रतिभा और करिश्मा का भी जश्न मनाता है। जैसे ही मीरा भयंदर शानदार प्रतियोगिता की मेजबानी करने की तैयारी कर रही है, दर्शकों को मनोरंजन और ग्लैमर की एक अविस्मरणीय शाम देखने को मिलेगी।

पालघर में डबल हत्या से मचा हडकंप

जेकेएस संवाददाता

पालघर : जिले में डबल मर्डर से हड़कंप मच गया है। यहां एक शख्स ने दो लोगों की कुदाल से काटकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने एक और शख्स के घर पर हमला किया था। घटना के बाद लोगों ने जब शोर मचाया तो आरोपी भाग गया। आरोपी के साइको किलर होने का दावा किया जा रहा है। बता दें कि हत्या के बाद १५० पुलिसकर्मियों की टीम सर्च ऑपरेशन में जुटी थी। इसी दौरान पुलिस को पता चला कि हत्यारा जंगल के तालाब में कीचड़ में छिपकर बैठा हुआ है। इसके बाद पुलिस ने दलदल में घुसकर किलर को गिरफ्तार किया। पालघर जिले के तारापुर इलाके के कूड़न गांव में पिछले दो-तीन दिन से एक अज्ञात व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में घूम रहा था। स्थानीय लोगों के मुताबिक, युवक मानसिक तौर पर विक्षिप्त था। गुरुवार रात साढ़े ९ बजे युवक ने अचानक एक बुजुर्ग व्यक्ति पर कुदाल से हमला करके हत्या कर दी और उसकी लाश के पास बैठा रहा। मृतक का भाई उसे खोजते हुए वहां पहुंचा तो आरोपी ने उस पर भी हमला कर हत्या कर दी। मृतकों के नाम भीमराव पाटील और मुकुंद पाटील है। घटना के बाद आरोपी एक अन्य व्यक्ति के घर के बाहर गया और उसके दरवाजे पर कुदाल से हमला किया। घर के अंदर मौजूद लोगों ने शोर मचाया तो पड़ोस वाले भी पहुंचे, लेकिन आरोपी अंधेरे और भीड़ का फायदा उठाकर भाग गया और गांव के बाहर एक तालाब जैसी जगह पर दलदल में छिपकर बैठ गया। इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस का कहना है कि मानसिक विकृति की जानकारी के लिए आरोपी का मेडिकल कराया जाएगा। हत्या की असली वजह क्या है, उसकी जांच की जाएगी। गिरफ्तारी की जगह से लेकर पुलिस स्टेशन तक लोगों में भारी आक्रोश था। लोगों की भीड़ जुट गई थी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि घटना के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, लोग अफवाह न फैलाएं और न ही उस पर यकीन करें। दोषी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नगरपालिका के पास आपातकालीन स्थिति में अस्थायी आश्रय की व्यवस्था नहीं

जेकेएस संवाददाता

भायंदर: एमएमआरडीए ने घरकुल योजना के तहत मीरा-भाईंदर मनपा क्षेत्र में बनी इमारतों में से अब तक केवल २ हजार ३४५ फ्लैट ही एमएमआर क्षेत्र में मनपा को कम किराए पर लीज पर दिए हैं. इन प्राप्त फ्लैटों को नगर पालिका द्वारा विभिन्न विकास कार्यों में प्रभावित लोगों को वितरित किया गया है। इसके अलावा, पिछले कई वर्षों में एमएमआरडीए के पास उपलब्ध सैकडों फ्लैट धूल में मिल गए हैं, फिर भी उन फ्लैटों को अभी तक नगर पालिका को नहीं सौंपा गया है। इससे यह पता चला है कि नगर पालिका के पास संभावित आपात स्थिति में प्रभावित लोगों के अस्थायी आश्रय के लिए एक भी फ्लैट उपलब्ध नहीं है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नगर निगम आयुक्त संजय काटकर को २८ फरवरी को भायंदर पूर्व के आजादनगर झुग्गी बस्ती में आग लगने की घटना के पीडितों को अस्थायी रूप से पुनर्वास करने का निर्देश दिया। हालाँकि, नगर पालिका ने इन पीडितों को इलाके में ही पुनर्वासित किया. बताया गया कि नगरपालिका के पास आपातकालीन स्थिति में अस्थायी आश्रय की व्यवस्था नहीं है। एमएमआरडीए ने कुछ साल पहले एमएमआर क्षेत्र में किराये के आधार पर घरकुल योजना लागू की थी। इस योजना के तहत, एमएमआरडीए इमारतों के निर्माण के लिए निजी डेवलपर्स को ४ अतिरिक्त मैट एरिया इंडेक्स प्रदान करता है। मैट एरिया इंडेक्स में से एक में डेवलपर द्वारा एमएमआरडीए को एक निःशुल्क भवन का निर्माण कराया जाता है। यह १६० वर्ग फीट के कारपेट एरिया वाले घर उपलब्ध कराता है। इनमें से ५० फीसदी मकान एमएमआरडीए से संबंधित नगर पालिका को १ रुपये प्रति वर्ग फीट की दर से देते हैं पट्टे पर दिये गये हैं। इसके अनुसार, मीरा-भाईंदर नगर पालिका को मीरारोड में एमएमआरडीए एसके्डी (पिनाकोला), एम्स बिल्डिंग नंबर ४, दहिसर चेकनाका में लोढा अक्का, माना बिल्डिंग नंबर १ और २, दरवेश, एस से प्राप्त हुआ है। क। इन इमारतों में २ हजार ३४५ फ्लैट दिए गए हैं. ये प्राप्त फ्लैट नगर पालिका द्वारा तत्कालीन सामान्य सभा द्वारा तय की गई नीति के अनुसार अस्थाई तौर पर उपलब्ध कराए गए हैं। इसमें बीएसयूपी योजना के लाभार्थी, सडक़ चौडीकरण प्रभावित और खतरनाक इमारतों के निवासी शामिल हैं। इसके बाद नगर पालिका के पास फिलहाल कोई फ्लैट नहीं है. हालाँकि, यह बताया गया है कि इमारत में ५० प्रतिशत फ्लैट, जो एमएमआरडीए को अतिरिक्त कालीन क्षेत्र सूचकांक से मुफ्त में मिले थे, कई वर्षों से निजी डेवलपर्स द्वारा बनाए गए हैं, अभी तक नगर पालिका को नहीं दिए गए हैं। इससे यह स्पष्ठ है कि नगर पालिका के पास संभावित आपात स्थिति में पीडितों के अस्थायी आश्रय के लिए एक भी फ्लैट उपलब्ध नहीं है। परिणामस्वरूप, नगर पालिका को २८ फरवरी की आग की घटना के पीडितों को उसी क्षेत्र में अस्थायी रूप से पुनर्वास करने के लिए मजबूर होना पडा है। बताया जा रहा है कि नगर पालिका ने विकास कार्यों में प्रभावित लोगों को जो फ्लैट दिए हैं, वे अस्थाई नहीं बल्कि स्थाई हैं। इसलिए मांग है कि एमएमआरडीए द्वारा मनपा को दिए गए फ्लैट लीज के बजाय स्थायी आधार पर दिए जाएं. प्रताप सरनाईक को मुख्यमंत्री बनाया गया है. लेकिन यह अभी तक साकार नहीं हो सका है.

मिरा - भाईंदर महानगरपालिका
उद्यान विभाग

डॉ बाबासाहेब आंबेडकर भवन (नगरभवन), भाईंदर (प.)
ता. जि. ठाणे - ४०११०१ दुरध्वनी २८१८४५५३

मनपा/मनपा/उद्यान/६५४/२०२३-२४ दि. २९/०२/२०२४

।। जाहीर नोटीस सुचना ।।

मिरा भाईंदर महानगरपालिका प्रभाग समिती क्र.१, २ व ३ अंतर्गत उद्यान व वृक्ष प्राधिकरण विभागाची मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील विकास कामातील बाधीत होणारी / धोकादायक झाडे मुळासहित काढणेकामी नागरीकांच्या हरकती किंवा सुचना दि.१/०३/२०२४ ते ०७/०३/२०२४ या कालावधीत मागविण्यात येत आहेत. सदरची जाहिर नोटीस सुचना महानगरपालिकेच्या www.mbmc.gov.in संकेतस्थळावर उपलब्ध आहे.

सोबत : जाहिर नोटीस सुचना

जा. क्र. मनपा/मावज/ E-1561634/2023-24
दिनांक : २९/०२/२०२४

सही/-
(कांचन गायकवाड)
सहा. आयुक्त तथा वृक्ष अधिकारी
मिरा भाईंदर महानगरपालिका

शराब की तस्करी करनेवाले चढे पुलिस के हत्थे

भायंदर: मीरा-भाईंदर, वसई विरार पुलिस आयुक्तालय, पेल्हार पुलिस स्टेशन अपराध जांच टीम ने १ मार्च को मध्यरात्रि लगभग १:०० बजे एक अवैध शराब तस्कर को गिरफ्तार किया और उसके पास से ११ लाख ३० हजार ४०० रुपये की कुल कीमत के ११४० बीयर टिन जब्त किए। पेल्हार पुलिस स्टेशन के अपराध जांच दस्ते के सहायक पुलिस निरीक्षक सोपान पाटिल उन्हें १ मार्च की रात करीब १ बजे पेल्हार थाना क्षेत्र से सूचना मिली कि एक व्यक्ति बोलेरो पिकअप वाहन में अवैध रूप से गुजरात में शराब बेचने जा रहा है। पुलिस की एक टीम ने जायका होटल के सामने जाल बिछाया. तभी लवकुश रामनिवास मिश्रा (४३) को पुलिस ने रोक लिया और वाहन समेत गिरफ्तार कर लिया।

विधानसभा में विपक्षी विधायकों ने जमकर हंगामा किया

पृष्ठ १ का शेष

इस मामले के चलते हंगामे के कारण विधान परिषद को एक घंटे के लिए स्थगित करना पड़ गया था। कर्जत के शिंदे गुट के विधायक महेंद्र थोरवे और मंत्री दादा भुसे ने विधान भवन की लॉबी में ही एक-दूसरे के साथ धक्का-मुक्की करनी शुरू कर दी। उनमें बात इतनी बढ़ गई कि दोनों को रोकने के लिए मंत्री शंभुराज देसाई और भरत गोगावले को हस्तक्षेप करना पड़ा। दूसरी तरफ इस घटना के बाद इस सत्र में न केवल सदन शर्मशार हुआ, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति पर एक और बट्टा भी लग गया। सत्ता दल के विधायक थोरवे ने मंत्री दादा भुसे के पास अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर फॉलोअप किया था। हालांकि, दादा भुसे ने कहा कि महेंद्र थोरवे के बोलने का तरीका गुस्सा दिलानेवाला था। विधायक थोरवे ने दादा भुसे से मांग की थी कि आचार संहिता लागू होने से पहले मेरे विधानसभा क्षेत्र में काम पूरा किया जाए। हालांकि, दादा भुसे और विधायक थोरवे के बीच विवाद विधानमंडल में होने से इस घटना ने एक अलग मोड़ ले लिया। विपक्ष ने आलोचना की है कि अगर सत्ता पक्ष के दो विधायक इस तरह से बहस कर रहे हैं तो यह उनकी संस्कृति को दर्शाता है। सत्ता पक्ष के कई विधायक इस वक्त विवादों में फंसे हुए हैं। थाने में ही गोलीबारी या अन्य तरह के विवादों के कारण सत्ता पक्ष के विधायक संकट में दिखाई दे रहे हैं। अब एकनाथ शिंदे गुट के मंत्री और विधायक के बीच विवाद को लेकर विपक्ष सत्ता पक्ष की कड़ी आलोचना कर रहा है। इस संबंध में मीडिया ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से भी सवाल पूछने की कोशिश की, लेकिन मुख्यमंत्री इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया देने से बचते रहे। चूंकि कार्यक्रम तय था, इसलिए मुख्यमंत्री बिना कुछ कहे चले गए। फिलहाल, उन्होंने मीडिया को यह सलाह जरूर दे डाली कि कुछ भी क्या पूछ रहे हो, कुछ सवाल सत्र के बारे में भी पूछिए। शिंदे गुट के घूंसेबाज विधायक महेंद्र थोरवे ने आरोप लगाया कि दादा भुसे एरोगेंट मंत्री है। खुद मुख्यमंत्री ने दादा भुसे को फोन करके कहा था कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र का काम करें। अन्य मंत्रियों ने इस काम के लिए ध्यान देने के लिए कहा था, लेकिन इसके बाद भी दादा भुसे जानबूझकर मेरे विधानसभा क्षेत्र में काम नहीं कर रहे हैं। इस तरह का आरोप विधायक थोरवे ने लगाया है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना विधायक महेंद्र थोरवे और महाराष्ट्र सरकार के वरिष्ट मंत्री दादा भुसे के बीच विधानमंडल की लॉबी में फ्रीस्टाइल हुई। इस घटना के १५ से २० विधायक गवाह हैं। इस दिल दहला देने वाली घटना की तत्काल जांच कराई जाए, यह मांग कल विधान सभा में प्रतिपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने की। विधानसभा में बोलते हुए प्रतिपक्ष के नेता वडेट्टीवार ने मांग की कि उस जगह के सीसीटीवी फुटेज को विधानसभा के सामने लाया जाना चाहिए। उक्त घटना की सरकार की ओर से सफाई देते हुए उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा कि २ मैंने उन दोनों से जानकारी ली। उन दोनों ने मुझे बताया कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई है।

ठाणे पुलिस पर मनपा का बकाया

ठाणे : ठाणे परिवहन सेवा से मुफ्त यात्रा करनेवाले ठाणे शहर पुलिस और ठाणे ग्रामीण पुलिस पर पिछले चार वर्षों से २१ करोड़ रुपए का बकाया है। इसके लिए परिवहन विभाग ने सीधे गृहमंत्री को पत्र लिखा है, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकला है। पुलिस अनुदान की यह राशि परिवहन के खजाने में जमा हो जाए तो परिवहन की तिजोरी कुछ हद तक भर जाएगी। बता दें कि राज्य में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी मनपा परिवहन सेवा की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकते हैं। एक साल में एक हजार से अधिक पुलिसकर्मी टीएमटी से यात्रा करते हैं। यह किराया राशि पुलिस

अनुदान के रूप में संबंधित परिवहन उपक्रम को देना अनिवार्य है। ठाणे परिवहन सेवा को यह पुलिस अनुदान २०१८-१९ से १९-२०,२०-२१ और २१-२२ तक चार वर्षों में नहीं मिला है। २१ करोड़ रुपए का बकाया है। इस संदर्भ में ठाणे परिवहन समिति के अध्यक्ष विलास जोशी लगातार पत्राचार कर रहे हैं। इस संदर्भ में समय-समय पर संबंधित विभागों को २२ बार पत्र भेजे जा चुके हैं। इसमें राज्य के गृहमंत्री, ठाणे पुलिस आयुक्त, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक का समावेश है। लेकिन अभी तक यह राशि परिवहन विभाग को नहीं मिली है। कोरोना काल में ठाणे परिवहन सेवा की आय पहले से ही प्रभावित है। विशेष रूप से लॉकडाउन के दौरान नागरिकों को यात्रा करने की अनुमति नहीं थी, क्योंकि केवल आवश्यक सेवा कर्मचारियों को यात्रा करने की अनुमति थी। परिणामस्वरूप, केवल कुछ यात्री ही टीएमटी बसों में यात्रा कर रहे थे। इसका सीधा असर परिवहन विभाग के राजस्व पर पड़ा। पुलिस विभाग पर बकाया २१ करोड़ रुपए है। इस संबंध में ठाणे परिवहन समिति के अध्यक्ष विलास जोशी से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि यात्रा की बकाया राशि के संबंध में पुलिस से बार-बार पत्राचार किया गया है, लेकिन सरकार की ओर से बकाया राशि के संदर्भ में कोई भी उत्तर नहीं मिला है।

बिल्डरों पर कसी जा रही नकेल, महारेरा द्वारा उठाए गए सख्त कदमों के दिख रहे परिणाम

मुंबई : महारेरा द्वारा उठाये गए सख्त कदम का परिणाम दिखने लगा है. प्रोजेक्ट की त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट वेबसाइट पर अपडेट कर महारेरा को नहीं सौंपने वाले बिल्डरों पर भी कडे. कदम उठाए जा रहे हैं, क्योंकि अब भी बडी संख्या में डेवेलपर्स इस मामले को लेकर गंभीर नहीं है. बता दें कि महारेरा ने २३ जनवरी को रिपोर्ट की गई परियोजनाओं को नोटिस देकर प्रोजेक्ट को निलंबित करने जैसी सख्त कार्रवाई शुरू की है. मिली जानकारी के अनुसार, जून महीने में रिपोर्ट की गई ६३३ प्रोजेक्ट में से ३३३ प्रोजेक्ट यानी ५२.६% प्रोजेक्ट ने सभी आवश्यक फॉर्म अपडेट किए और उन्हें नियत तारीख से पहले महारेरा में जमा कर दिया. २३ जनवरी को यह अनुपात ७४६ में से सिर्फ २ यानी ०.०३ प्रतिशत था. दोनों ही आकडों में काफी अंतर था. क्योंकि जुर्माना भरने के बावजूद त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट जमा नहीं करने वालों की संख्या ८८६ में से २३४ है और नोटिस भेजने और कार्रवाई के बाद भी जवाब नहीं देने वालों की संख्या अभी भी ३२३ है. इसका अर्थ है कि उत्तर न देने वालों की संख्या ५५७ है, जो ६२.८६ प्रतिशत है. त्रैमासिक वित्तीय प्रगति रिपोर्ट जांच शुरू ध्यान देने वाली बात यह है कि रियल एस्टेट अधिनियम की धारा ११ विनियमन नियम ३.४ और ५ के अलावा, आदेश संख्या ३३/२०२२ की धारा ३ और ४ के अनुसार, प्रत्येक डेवलपर को त्रैमासिक/वार्षिक निर्धारित विवरण प्रपत्र जमा करना आवश्यक है. उपभोक्ता के हित में इन नियामक प्रावधानों का कडाई से कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए महारेरा ने २३ जनवरी से रिपोर्ट की गई परियोजनाओं की पहली तिमाही रिपोर्ट से परियोजनाओं की त्रैमासिक वित्तीय प्रगति रिपोर्ट की जांच शुरू कर दी है. इस संबंध में लापरवाही बरतने वालों पर महारेरा ने परियोजना को निलंबित करने जैसे कठोर कदम भी उठाए हैं, जिसके चलते उनके बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए है.

स्थानीय मछुआरों के व्यवसाय में कोई समस्या नहीं आएगी - गीता जैन

भाईंर : देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय, बंदरगाह और जल परिवहन मंत्री सबानंद सोनोवाल के अथक प्रयासों और मार्गदर्शन से भारत में ७५ दीपस्तम्भ पर्यटन की दृष्टि से विकसित किए गए हैं. जिसका उद्घाटन २८/०२/२०२४ को नरेंद्र मोदी के हाथों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। उक्त ७५ दीपस्तम्भ में से, मुंबई निदेशालय के तहत ८

दीपस्तंभ विकसित किए गए हैं, जिनमें से एक का उद्घाटन उत्तन में विधायक गीता जैन की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर विधायक जैन ने उत्तन गांव को पर्यटन की दृष्टि से कैसे समुचित रूप से विकसित किया जा सकता है विषय पर संबोधित भी किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विकास के दौरान स्थानीय मछुआरों के व्यवसाय में कोई समस्या नहीं आएगी। इस अवसर पर डी.एस. जठार प्रभारी निदेशक, सहायक पुलिस आयुक्त बजरंग देसाई, पूर्व नगरसेविका शर्मिला गंडोली सहित स्कूली छात्र, स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मिरा - भाईंदर महानगरपालिका
वैद्यकीय आरोग्य विभाग काशिगाव आरोग्य केंद्र

मनपा शाळा क्र. ४ व ५ च्या पाठीमागे, काशिगाव भाजी मार्केट, मिरा रोड (पू.)
ता. जि. ठाणे, ४०११०७
ई मेल : kashigaonuphc@mbmc.gov.in

मनपा/काशिगाव/आ.कें./३६५/२०२३-२४ दि. २९/०२/२०२४

।। जाहीर कोटेशन नोटीस ।।

आपणास या जाहीर कोटेशन नोटीसीव्दारे कळविण्यात येते की, मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या सार्वजनिक आरोग्य विभाग, काशिगाव आरोग्य केंद्र रुग्ण कल्याण समिती अंतर्गत व्हॅक्सीन कॅरीअर ठेवण्यासाठी कडाप्पा रॅक बनविणे कामी दरपत्रके मागविण्यात येत आहेत.

तरी इच्छुक पुरवठाधारकांनी सर्व दर करांसह व एक वर्षाच्या मोफत देखभाल दुरुस्तीसह दि. ०७/०३/२०२४ रोजी दु. ०२.०० वाजेपर्यंत सिल बंद लिफाप्यामध्ये पेणकरपाडा आरोग्य केंद्र येथे सादर करावेत. मुदतीमध्ये प्राप्त झालेली दरपत्रके दि. ०७/०३/२०२४ दु. ०३:०० वाजता मा. अध्यक्ष तथा वैद्यकीय आरोग्य अधिकारी यांचे उपस्थित काशिगाव आरोग्य केंद्र येथे दरपत्रकधारक किंवा त्यांचे प्रतिनिधी यांचे समक्ष उघडण्यात येतील. दरपत्रकधारक किंवा त्यांचे प्रतिनिधी उपस्थित नसल्यास त्यांच्या अपरोक्ष दरपत्रके उघडण्यात येतील. कोणतेही एक दरपत्रक स्वीकारणे किंवा सर्व दरपत्रके नाकारण्याचा अधिकार अध्यक्ष तथा वैद्यकीय आरोग्य अधिकारी यांचा राहील याबाबत स्पष्टीकरण दिले जाणार नाही.

कामाचे नाव	कामाचा तपशिल
Kadappa Rack to keep vaccine carrier at Kashigaon health centre.	Supply & fixing of kadappa/black stone rack to keep vaccine carrier with shading
	Kadappa 178 sq.ft
	Cement 5 bags
	Black sand 20 bags
	Cement chemical 1 litre
	Labour charges 70 sq. ft
	MS shade with proper support of angle 48 sq. ft
	Transportation & handling charges

(अंदाजित खर्च रक्कम रु. ५०,०००)

जा. क्र. मनपा/मावज/ E-1568115/2023-24
दिनांक : ०१/०३/२०२४

सही/-
(डॉ. अरविंद काकडे)
सचिव तेथा वैद्यकीय अधिकारी
काशिगाव आरोग्य केंद्र रुग्ण कल्याण समिती
मिरा भाईंदर महानगरपालिका

भुमाफिया और मनपा के अधिकारियों का व्हिडियो वायरल

वसई विरार : महानगर पालिका के नालासोपारा के पेल्हार (एफ) प्रभाग के अतिक्रमण विभाग के इंजिनियर भीम रेड्डी और प्रभाग (सी) के अतिक्रमण विभाग के इंजिनियर मिलिंद शिरसाट का विडिओ वहीं के अवैध निर्माण में लिप्त भूमाफिया इरशाद खान के साथ वसई के पंखा फास्ट डिस्को में नाचते हुये वायरल हो गया है, इससे वसई विरार महानगर पालिका की काफी किरकिरी हो गई है। यह विडिओ कुछ दिन पहले का बताया जा रहा है। महत्वपूर्ण बात यह है, की एक सप्ताह पहले, इसी पेल्हार (एफ) प्रभाग के हद में एक अवैध निमार्णधीन दीवार गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई, और ४ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका इलाज चल रहा है। मनपा द्वारा अवैध निर्माण कर्ता पर पुलिस में मामला भी दर्ज कराया गया है। ऐसे में इंजिनियरों का अवैध चाल/गाला बनाने वाले बिल्डर के साथ मौज मस्ती करने का विडिओ

वायरल होने से मनपा की कार्य प्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। इसी तरह का भूमाफिया द्वारा आयोजित डांस पार्टी का २०१७ में विडिओ वायरल हुआ था जीसमे तात्कालीन मनपा आयुक्त सतीश लोखंडे ने १२ इंजिनियरों को सस्पेंड कर दिया था। बावजूद इसके इन मनपा के इंजिनियरों ने कोई सबक नहीं लिया। इससे एक बार फिर भूमाफिया और मनपा के इंजिनियरों के बिच चल रही सांठ-गांठ का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं। अब देखना होगा प्रभारी आयुक्त रमेश मनाले इस पर क्या कारवाई करते हैं।

काशिमीरा पुलिस की कार्यकुशलता से ठगी की रकम मिली वापस

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : वर्क फ्रॉम होम के नाम पर ऑनलाइन यूट्यूब वीडियो जैसे कार्यों, ऑनलाइन होटल, मूवी रेटिंग में निवेश करने के लिए बता कर धोखाधडी का शिकार हुए शिकायतकर्ता को काशीमीरा पुलिस ने ठगी की पूरी राशि ८,५०,००० रुपए लौटाने में सफल रही. एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय के काशीमीरा पुलिस थाने अंतर्गत निवासी कीर्ति सिंह को टास्क पूरा करके अधिक लाभ कमाने के लिए घर से काम या निवेश के रूप में ऑनलाइन यूट्यूब वीडियो जैसे टास्क, ऑनलाइन होटल, मूवी रेटिंग की पेशकश करके ८,५०,००० रुपये की धोखाधडी की गई थी. जिसकी शिकायत सिंह ने काशीमीरा पुलिस थाने में की थी. उक्त शिकायत के संबंध में तुरंत मामला दर्ज कर शिकायतकर्ता के लेनदेन के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई.

वसई विरार शहर महानगरपालिका
प्रभाग समिती एच नवघर - माणिकपूर
ता. वसई, जि. पालघर ४०१२०२

जा. क्र. वविशम/६२९३/२०२३-२०२४
दिनांक : ०१/०३/२०२४

जाहीर नोटीस

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ४६९ ला अधिन राहुन या नोटीसीव्दारे वसई विरार शहर महानगरपालिका हद्दीतील सर्व नागरीकांना सुचित करण्यांत येते की, खालील नमुद मिळकत धारकांनी मालमत्ता हस्तांतरण कामी लेखी अर्ज तसेच कागदपत्रे सादर केली आहेत. उक्त फेरफार प्रकरणी कोणतीही हरकत/तक्रार असल्यास त्यांनी कार्यालयात जाहीर नोटीस प्रसिध्द झालेल्या तारखेपासून सात (७) दिवासाच्या आत लेखी हरकत/तक्रार कागदपत्रांसह नोंदवावी सदर हरकत/तक्रार न आल्यास कार्यालय पुढील मालमत्ता हस्तांतरणाची कार्यवाही करण्यांत येईल.

अ.क्र	विभाग	मालमत्ता क्र.	ज्याचे नावे मालमत्ता आहे त्याचे म्हणजेच विकणा-या किंवा करदात्याचे नाव	खरेदीदाराचे किंवा अभिहस्तांकन करदात्याचे नाव
१	नवघर १/३	VN05/24470	नंदा सुधीर किणी	संगीता श्रवण यादव व श्रवण बच्चन यादव
२	बव्हामपुर	VN14/58462	दिपक चंद्रकांत मंडवाल व भारती डी मंडवाल	लतेश पि वि व विजी लतेश
३	माणिकपूर २/१	VN19/35094	जोसेफ आलेक्स डिसोजा	निकलस आलेक्स डिसोजा
४	नवघर १/२	VN04/24090	नटुभाई गणेशभाई शिहोरा व इतर १	प्रीती नटवरलाल जेठवा
५	नवघर ४/३	VN11/49383	मेघदुत प्रापर्टीज	प्रतिभा इंजिनियरींग
६	नवघर ४/३	VN11/5243	धिरज आर बैद	बिश्वंभर हरिहरनाथ तिवारी व इतर २
७	दिवाणमान ५/२	VN27/12844	विक्रमचंद सिसोडीया	वकील सिंग
८	माणिकपूर १/१	VN15/62133/54	पंचमुखी बिल्डर्स ॲण्ड डेव्हलपर्स	देवश्री दौलत गोतारणे व दौलत अमृत गोतारणे
९	दिवाणमान ४	VN25/10030	किरण विजय अंबावी व इतर १	भावना भावेश मेहता व भावेश जि मेहता
१०	दिवाणमान ८	VN31/20235	सोनलबेन घनश्यामभाई कानाबार	प्रदिप तुकाराम सरफरे वप्रतिमा प्रदिप सरफरे
११	बव्हामपुर	VN14/54020	एस सुदिप कुमार	बिपीन विनोद सिंह व नवीन विनोद सिंह
१२	नवघर २/१	VN07/27048	कमलेश जितेंद्र मेहता	अनिलकुमार भुपतराय मेहता व जीग्ना अनिल मेहता
१३	दिवाणमान ३	VN24/7447	प्रफुल शांतीलाल कानकीया	कलाबेन शरदभाई संघवी व इतर २
१४	नवघर १/२	VN04/44128	सचिन एस केळकर	रजनी संदीप लटारे
१५	नवघर ५/२	VN12/30853	दिशा पूजेन बन्सल व पूजेन राजीव बन्सल	सदानंद ओंकार गोपनारायण व इतर १
१६	चुळणा	VN02/61389	मेरीलँड डेव्हलपर्स	निशा चाको पुवथिंगल
१७	माणिकपूर १/१	VN15/61161	राजीव सुरेश रावल व उर्मिला सुरेश रावल	रविशा प्रीतेश परमार व प्रितेश भरत परमार
१८	दिवाणमान ६/२	VN29/16090	देवकुमार एल शास्त्री व हेमलता डी शास्त्री	उमेश पटेल व कल्पेश पटेल
१९	चुळणा	VN02/62301/11	आयवन सेड्रीक पिंटो व आयरीस एन पिंटो	शेरल क्रिस्टोफर जॉर्ज व तबीता जॉर्ज डिसोजा
२०	दिवाणमान ४	VN25/8977	हरजीभाई वालजीभाई चौहाण	निरुपा कांतीलाल जागाणी व इतर १

शिक्का

सही/-
(निलेश म्हात्रे)
प्र. सहा. आयुक्त
प्रभाग समिती 'एच'
वसई विरार शहर महानगरपालिका

अलकॅन कंपनी के अवैध निर्माण को आज तक नहीं तोडा गया

भायंदर : फाटक रोड बनी अलकॅन नामक कंपनी जिसमें भिषण आग लगी थी जिसको बुझाने में अग्निशमन के अधिकारियों को बहुत मेहनत करनी पडी थी. इस कंपनी की शिकायत पहले भी कई लोगों ने की थी. बडे राजनेताओं का आशिर्वाद होने के कारण आज तक कोई ठोस कारवाई नहीं हुई. कंपनी जब रिपेरिंग हो रही थी तो वहां के लोगों में चर्चा थी कि १० फीट आगे बएाया है. अलकॅन कंपनी का अवैध निर्माण तो तोडा नहीं उपर से ८०-८० फीट उपर तक हाईट बढाई है. उस पर भी कोई कारवाई नहीं. क्या नए आए अतिक्रमण उपायुक्त रवि पवार तोडक कारवाई के आदेश दे. एक ठेकेदार जो अवैध निर्माण करने में माहिर है. काफी बदनाम है, उसने अपना नाम न छापने की शर्त पर कहा कि कितने उपायुक्त आए, कितने गए आज तक कोई कारवाई नहीं हुई. क्या ईमानदार आयुक्त संजय काटकर व नए अतिक्रमण उपायुक्त रवि पवार क्या कारवाई करेंगे ?

मिरा भाईंदर में पे एंड पार्क के लिए १५ सड़कों का चयन

जेकेएस संवाददाता

मीरा-भायंदर. मीरा -भायंदर महानगरपालिका की आर्थिक स्थिति सुदृढ.करने और आय (इनकम) बढाने के लिए शहर के १५ सडक़ों पर पे एंड पार्क सुविधा शुरू की है. इससे मनपा को वार्षिक करीब ८.५ करोड.रुपए की आय अपेक्षित है. वहीं शहर के नागरिकों में इस पे एंड पार्क की सुविधा से असमंजस की स्थिति है. क्योंकि अब साइकिल के पार्किंग पर भी जीएसटी के साथ शुल्क अदा करना होगा. पे एंड पार्क की रूपरेखा से स्थानीय विधायक गीता भरत जैन भी सहमत नहीं हैं. उन्होंने इसका विरोध किया है. जिन सडक़ों पर पे एंड पार्क की सुविधा शुरू की जा रही है. उनमें कई सडक़ों के किनारे ग्राम पंचायत और नगरपरिषद के कार्यकाल में बनी इमारतें भी हैं. उस कार्यकाल में बनी इमारतों के अंदर तत्कालीन बिल्डरों ने फ्लैट धारकों को पार्किंग की सुविधा नहीं दी थी. जिससे उन इमारतों में रहने वाले नागरिक अपनी इमारत के बाहर सडक़ों पर ही अपने वाहन पार्क करते हैं. इसके अलावा पे एंड पार्क के लिए सडक़ों के जिन क्षेत्रों को चयन किया गया है. उन क्षेत्रों के दुकानदार अपनी दुकान के बाहर वाहन पार्क करते हैं.

पे एंड पार्क के लिए १५ सडक़ों का चयन

आयुक्त संजय श्रीपतराव काटकर ने मनपा की आय के स्रोत बढाने के लिए शहर के १५ सडक़ों पर पे एंड पार्किंग की शुरुआत करने का निर्णय लिया है.

यातायात पुलिस विभाग और मनपा प्रशासन द्वारा सर्वेक्षण कर इन सडक़ों का चयन किया गया है. जिसमें से ५ सडक़ों पर पे एंड पार्किंग शुरू कर दी गई है, इन सडक़ों पर आगामी सप्ताह से पार्किंग की शुल्क वसूल की जायेगी. अन्य ५ सडक़ों पर सीमेंट कंक्रीट के कार्य चल रहे हैं. कार्य पूर्ण होने पर वहां भी पे एंड पार्क शुरू की जायेगी. पे एंड पार्किंग का ठेका एक निजी कंपनी को ३ वर्षों के लिए करीब २६ करोड. रुपए में दिया गया है.

पे एंड पार्क के लिए न्यूनतम ४ रुपए से २०७ रुपए तक जीएसटी के साथ शुल्क अदा करना होगा, जिसमे सायकल, मोटर सायकल और चार पहिए वाहनों का समावेश है. मासिक पास की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी

बालाज की बात न है कि भायंदर पश्चिम में माहेश्वरी भवन से मीरारोड की दिशा में जाने अग्निशमन केंद्र परिसर, डी मार्ट परिसर में रात के समय बोरीवली और अन्य उपनगरों से लग्जरी बसें लाकर अवैध रूप से खडी की जाती है. उस सडक़ को इस पे एंड पार्किंग में शामिल नहीं की गई है.

मेडिटेक अस्पताल द्वार पस्तुति मेडिटेक प्रीमियर लीग सत्र का आयोजन संपन्न

भायंदर : मेडिटेक अस्पताल द्वारा पस्तुति मेडिटेक प्रीमियर लीग सत्र २०२४-२५ फरवरी को समापन हुआ जिसमें २८० मीरा रोड और भायंदर के डॉ लोगो ने भाग लिया. कुल ३ टूर्नामेंट हुआ. मेडिटेक हॉस्पिटल के डॉ एन ए हेगडे, डॉ साईनाथ हेगडे. (हृदय रोग विशेषज्ञ), डॉ कामवानी, डॉ अशोक, डॉ अरुण शुक्ला, डॉ साईनाथ सांगले, डॉ अभिषेक, डॉ लक्ष्मण कोकिटकर, डॉ. अभिषेक चतुर्वेदी (आर्थोपेडिक सर्जन) मौजूद रहे. डॉ अरुण शुक्ला की देख रेख मैं सम्पन्न हुआ. प्रमुख अतिथि डॉ. तंवर हीथ की मेहनत और डॉ विनोक द्विवेदी चमत्कारिक रूप से भायंदर के जाने माने (आर्थोपेडिक सर्जन), डॉ अशोक शुक्ला (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ रोहिदास भोईर, स्वस्थ विभाग के बहुत बडे.

स्तम्भ डॉ राजेंद्र नागरकट्टी, सुप्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ उपस्थित रहे. टूर्नामेंट ३ के विजेता रहे डॉ. संदीप प्रधान की वी केयर हॉस्पिटल टीम, टूर्नामेंट २ महिला डॉ के विजेता रहें. डॉ परी शुक्ला और उनकी एमबीएहिम्पा की टीम और उपविजेता टीम रही. डॉ रूपाली अगरकर की टीम

बीएमए हिरकानी टूर्नामेंट १ की विजेता राही डॉ आबिद की टीम १, और रनर अप रही डॉ. लक्ष्मण कोकिटकर की कप्तान मैं मेडिटेक हॉस्पिटल की टीम, डॉ. अरुण शुक्ला प्रबंध निदेशक और कार्यक्रम समन्वयक ने प्योर प्रोग्राम को सफल बनाया, और सारे मीरा भाईंदर के डॉ का सुक्रिया अदा किया है

नलाली मित्र मंडल राय ने टेनिस टूर्नामेंट एक हाथ मदद के लिए

नलाली मित्र मंडल राय ने टेनिस टूर्नामेंट एक हाट सूपा का आयोजन किया था। जहां ग्राम के सभी भाई-बहनों को सूचित किया जाता है कि इस दो दिवसीय टेनिस टूर्नामेंट में जिन दानदाताओं एवं शुभचिंतकों ने बढ-चढक़र मदद की है, उनकी आर्थिक एवं आर्थिक सहायता के रूप में हम कुर्सियां, तिरपाल (जाल) लाएंगे। हवन, अनुष्ठान सामग्री आदि दानदाताओं एवं शुभचिंतकों द्वारा दिया गया दान फलदायी होगा। इसी तरह मदद का हाथ हमारे साथ बना रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9757262120 Email :newsjankalyanseva@gmail.com Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI